

अछिद्र वि. (तत्.) 1. छिद्र रहित 2. दोष-रहित, बेऐब, निर्दोष 3. दुर्बलता-रहित।

अछूत वि. (तद्.) बिना छुआ हुआ, जिसे छुआ न गया हो, जिसे छुआ न जाता हो, अस्पृश्य पुं. सामाजिक व्यवस्था में सेवा कार्यों के संपादन में लगे समुदाय का सदस्य (अब यह शब्द प्रतिबंधित हो चला है)।

अछूतपन पुं. (तद्.) अछूत या अस्पृश्य होने का भाव।

अछूता वि. (तद्.) 1. अनछुआ, बिना छुआ हुआ; जो छुआ तक न गया हो 2. जिसे प्रयोग या काम या व्यवहार में न लाया गया हो 3. नया, ताजा, कोरा 4. जिसका वर्णन न किया गया हो, अवर्णित, अकथित।

अछूतोद्धार पुं. (तद्.) अस्पृश्य जातियों के सुधार का कार्य।

अछेद वि. (तद्.) दे. 1. अछेद्य 2. छिद्ररहित 3. दोषरहित।

अछेद्य वि. (तद्.) दे. अच्छेद्य जिसे छेदा न जा सके, अभेद्य।

अक्षोभ वि. (तद्.) 1. अक्षोभ, क्षोभरहित, चंचलता रहित 2. स्थिर, गंभीर, शांत 3. मोहरहित, मायारहित, 4. जिसे बुरा कर्म करते हुए क्षोभ या ग्लानि न हो।

अछोर वि. (तद्.) 1. जिसके छोर का पता न हो, जिसका छोर (किनारा) न दिखाई पड़े 2. अपार, अनंत।

अछोह वि. (तद्.) 1. क्षोभ-रहित 2. स्थिर, शांत 3. मोहशून्य, करुणा रहित, निर्दय पुं. अक्षोभ 1. क्षोभ का अभाव 2. शांति, स्थिरता 3. मोह का अभाव, दयाहीनता, निर्दयता।

अज वि. (तत्.) जिसका जन्म न होता/हुआ हो, जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त, अजन्मा, स्वयंभू पुं. (तत्) 1. ब्रह्मा 2. विष्णु 3. शिव 4. ईश्वर 5. कामदेव 6. चंद्रमा 7. एक सूर्यवंशी राजा, जो दशरथ के पिता थे 8. बकरा 9. एक ऋषि 10.

अग्नि 11. मेषराशि 12. सूर्य का रथ 13. आत्मा क्रि.वि. (तद्.) अब, अभी तक।

अजंत वि. (तत्.) जिसके अंत में अच् (अ से लेकर औ तक कोई स्वर) हो, वह शब्द जिसका अंतिम वर्ण स्वर हो।

अजंता पुं. (देश.) (मूल मराठी शब्द 'अजिंठा' की रोमन वर्तनी का हिंदी रूपांतरण) औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में सह्याद्री पर्वत की गोद में बहनेवाली बागुर नदी की घाटी में स्थित एक स्थान जो अपने कलात्मक गुफा-मंदिरों के लिए विख्यात है।

अजंतुक वि. (तत्.) जंतुविहीन, प्राणिरहित, जंतुओं से असंबंधित, जो किसी जंतु का न हो।

अजगर पुं. (तत्.) अज अर्थात् बकरी को निगल जाने वाला, पाइथॉन वंश के पाइथाँडी कुल का एक विशालकाय साँप, अजगर। python

अजगरी स्त्री. (तद्.) अजगर-वृत्ति, अजगर की तरह निरुद्यम पड़े रहने की प्रवृत्ति, "अजगर करै न चाकरी पंछी करै न काम" के अनुसार बिना कोई काम-काज किए जीवन-निर्वाह की वृत्ति या स्थिति।

अजघन्य वि. (तत्.) जो जघन्य अर्थात् निकृष्ट, नीच या गया-बीता न हो।

अजदहा पुं. (फा.) बड़ा और मोटा साँप, अजगर।

अजदेवता पुं. (तत्.) विष्णु पुराण के आधार पर अज अर्थात् बकरियों के अधिष्ठाता देवता 1. अग्नि 2. पूर्व भाद्रपद नक्षत्र का एक नाम।

अजन वि. (तत्.) निर्जन पुं. (तत्.) 1. अजन्मा, अनादि, स्वयंभू 2. अक्रिय व्यक्ति, तुच्छ जन।

अजनक वि. (तत्.) उत्पादन न करनेवाला, अनुत्पादक।

अजननीय वि. (तत्.) जनन किए जाने के अयोग्य, जो उत्पादनीय न हो।

अजनबी वि. (अ.) अपरिचित, अनजान।